

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	सहकार सदस्यता अभियान - 2025
2.	केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (CAZRI) का 67वाँ स्थापना दिवस
3.	'मेरी पॉलिसी मेरे हाथ' अभियान : राज्य स्तरीय शुभारम्भ
4.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. 71वां वन्यजीव संरक्षण सप्ताह 2. 68वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में राजस्थान का प्रतिनिधित्व 3. सबजूनियर राष्ट्रीय बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता : राजस्थान को कांस्य पदक 4. 69वीं राज्य स्तरीय माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय (U-17) फुटबॉल प्रतियोगिता 5. 69वीं राज्य स्तरीय हॉकी (U-14) प्रतियोगिता 6. 69वीं राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता 7. 69वीं सेपक टकरा (U -17 और 19) राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता 8. सेवा पर्व 2025 के तहत वनस्थली विद्यापीठ का चयन 9. रन फॉर क्वालिटी : BIS 10. 132वाँ राष्ट्रीय दशहरा मेला : एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में शामिल 11. विष्णु शर्मा और यश यादव : सीनियर नेशनल रैंकिंग जूडो टूर्नामेंट में पदक
5.	इजरायल-गाजा संघर्ष
6.	भारत-भूटान रेलवे लिंक परियोजना
7.	व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौता (TEPA)
8.	संयुक्त राष्ट्र सतत् विकास लक्ष्य : 10 वर्ष पूर्ण
9.	अनंत शस्त्र एयर डिफेंस सिस्टम
10.	इंफेक्शियस बोवाइन राइनोट्रेकाइटिस (IBR)
11.	भुगतान विनियामक बोर्ड
12.	वेटेड एवरेज कॉल रेट
13.	निर्यातित उत्पादों पर शुल्क और करों की वापसी योजना: RoDTEP
14.	पोस्टल बैलेट
15.	विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR)
16.	सहयोग पोर्टल
17.	द रिसरेक्शन क्वेस्ट



राजस्थान परिदृश्य



सहकार सदस्यता अभियान - 2025



चर्चा में क्यों?

- 02 अक्टूबर, 2025 को मुख्यमंत्री द्वारा 'कॉन्स्टीट्यूशन क्लब, जयपुर' से 'सहकार सदस्यता अभियान-2025' का शुभारम्भ किया गया।

सहकार सदस्यता अभियान 2-15 अक्टूबर, 2025

अभियान के अंतर्गत किए जाने वाले प्रमुख कार्य

KVSS, सहकारी भण्डार, डेयरी सहकारी समितियों, पैक्स में युवाओं और महिलाओं के लिए विशेष सदस्यता अभियान

नवीन पैक्स के गठन हेतु प्रस्ताव, सदस्यता राशि प्राप्त करना तथा स्वीकृति जारी करना

प्रस्तावित नवीन सहकारी कानून के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी जनसाधारण को देना

पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत लम्बित आवेदनों की ई-केवाईसी एवं आधार सीडिंग का कार्य

भूमिविहीन पैक्स में गोदामों के लिए भूमि आवंटन की कार्यवाही



--2--

मुख्य बिन्दु:

- अभियान का आयोजन : 2 से 15 अक्टूबर, 2025 तक।
- आयोजक : सहकारिता विभाग, राजस्थान।
- उद्देश्य : इस अभियान के तहत नवीन प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (PACS) का गठन, सदस्यता अभिवृद्धि, पीएम किसान सम्मान निधि योजना से वंचित लाभार्थी को जोड़ना, भूमि विहीन PACS हेतु भू-आवंटन कार्यवाही आदि जैसे कार्य किए जाएंगे।
- सहकार सदस्यता अभियान के अंतर्गत राज्य की 8,200 से अधिक PACS के स्तर पर शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान महिलाओं तथा युवाओं को सहकारी समितियों से जोड़ने पर विशेष रूप से फोकस किया जाएगा।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

प्राथमिक कृषि ऋण समितियाँ (PACS)

- प्राथमिक कृषि ऋण समितियाँ (Primary Agricultural Credit Societies : PACS) भारत में ग्राम स्तर की सहकारी ऋण समितियाँ हैं, जो राज्य स्तर पर राज्य सहकारी बैंकों (SCBs) की त्रि-स्तरीय सहकारी ऋण संरचना में अंतिम कड़ी के रूप में कार्य करती हैं।
- वर्तमान में पूरे देश में लगभग 1 लाख प्राथमिक कृषि ऋण समितियाँ (PACS) कार्यरत है। चूँकि PACS एक सहकारी निकाय हैं, इसलिए व्यक्तिगत किसान भी PACS के सदस्य हो सकते हैं और एक गांव में कई PACS हो सकते हैं।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

राजस्थान में सहकारी आंदोलन:

- राजस्थान में सहकारी आंदोलन की शुरुआत वर्ष 1904 में अजमेर से हुई।

Daily Current Affairs

Date : 03 October, 2025



- **वर्ष 1904** : ब्रिटिश भारत सरकार द्वारा 'सहकारी ऋण समिति अधिनियम' पारित किया गया। तत्पश्चात 25 अक्टूबर, 1905 को भिनाय (अजमेर) में राज्य की प्रथम सहकारी समिति की स्थापना की गई।
- **वर्ष 1904** : डीग (भरतपुर) में राज्य के प्रथम सहकारी कृषि बैंक की स्थापना की गई।
- **वर्ष 1910** : अजमेर में प्रथम केंद्रीय सहकारी बैंक की शुरुआत।

सहकारिता से संबंधित राजस्थान के प्रमुख संस्थान:

संस्थान का नाम	स्थापना	मुख्यालय
राजस्थान राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड (अपेक्स बैंक)	1953	जयपुर
राजस्थान राज्य सहकारी विपणन संघ लिमिटेड (राजफैड)	1957	जयपुर
राजस्थान राज्य तिलहन उत्पादक सहकारी संघ (तिलम संघ)	1990	जयपुर
राजस्थान सहकारी शिक्षा और प्रबंधन संस्थान (RICEM)	1990	जयपुर
राजस्थान सहकारी डेयरी फेडरेशन लिमिटेड (RCDF)	1977	जयपुर
राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ लिमिटेड, जयपुर (कॉनफेड)	1967	जयपुर
राजस्थान राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक लिमिटेड	1957	जयपुर

--:4::--

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (CAZRI) का 67वाँ स्थापना दिवस

चर्चा में क्यों?

- 1 अक्टूबर, 2025 को केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (CAZRI) का 67वाँ स्थापना दिवस मनाया गया।

CAZRI : काजरी

Central Arid Zone Research Institute

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान



मुख्य बिन्दु:

- स्थापना: वर्ष 1959 में, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के अंतर्गत।
- मुख्यालय : जोधपुर।
- क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र : बीकानेर, जैसलमेर, पाली, जालौर और भुज (गुजरात) में।
- मुख्य उद्देश्य : शुष्क एवं अर्ध-शुष्क क्षेत्रों (Arid & Semi-Arid Regions) में टिकाऊ कृषि, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं ग्रामीण आजीविका सुधार हेतु अनुसंधान करना।

प्रमुख कार्यक्षेत्र :

- भूमि एवं जल संरक्षण - मरुस्थलीय क्षेत्रों में मिट्टी का कटाव रोकना और जल का समुचित उपयोग।

--:5:--

Daily Current Affairs

Date : 03 October, 2025



- **वनस्पति अनुसंधान** - कम पानी वाली फसलें, चारा उत्पादन और बागवानी पद्धतियों का विकास।
- **पशुपालन अनुसंधान** - ऊँट, भेड़, बकरी आदि शुष्क क्षेत्र के पशुओं की नस्ल सुधार व प्रबंधन।
- **प्रौद्योगिकी विकास** - मरुस्थलीय क्षेत्रों के लिए सिंचाई तकनीक, वर्षा जल संचयन और सौर ऊर्जा आधारित उपकरण।
- **जलवायु अनुसंधान** - मरुस्थल में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का अध्ययन।
- **फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:**
एरिड फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टिट्यूट (AFRI)
- **स्थापना** : वर्ष 1988 में, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (ICFRE), देहरादून के अंतर्गत।
- **मुख्यालय** : जोधपुर।
- **कार्य क्षेत्र** : शुष्क एवं अर्ध-शुष्क क्षेत्रों की वानिकी और पारिस्थितिकी से संबंधित अनुसंधान।
- **AFRI खेजड़ी, रोहिड़ा, बेर, खैर, बबूल और अरडू** आदि प्रजातियों पर विशेष शोध कार्य करता है।
- **अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु:**
- **थारशोभा खेजड़ी** : केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (CAZRI), जोधपुर द्वारा विकसित बिना कांटे वाली खेजड़ी की एक उन्नत किस्म।
- **मोठ 4** : केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (CAZRI), जोधपुर द्वारा विकसित मोठ की एक नई किस्म। यह किस्म कम बारिश की स्थिति में भी किसानों को अच्छी पैदावार देने में सक्षम है। बुवाई के बाद 40 दिनों तक बारिश नहीं होती है, तो भी यह किस्म 5 से 6 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक पैदावार दे सकती है।

--6--

'मेरी पॉलिसी मेरे हाथ' अभियान : राज्य स्तरीय शुभारम्भ

चर्चा में क्यों?

- 1 अक्टूबर, 2025 को कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल ने पंत कृषि भवन, जयपुर से वर्ष 2025 की 'मेरी पॉलिसी मेरे हाथ' अभियान का राज्य स्तरीय शुभारम्भ किया।

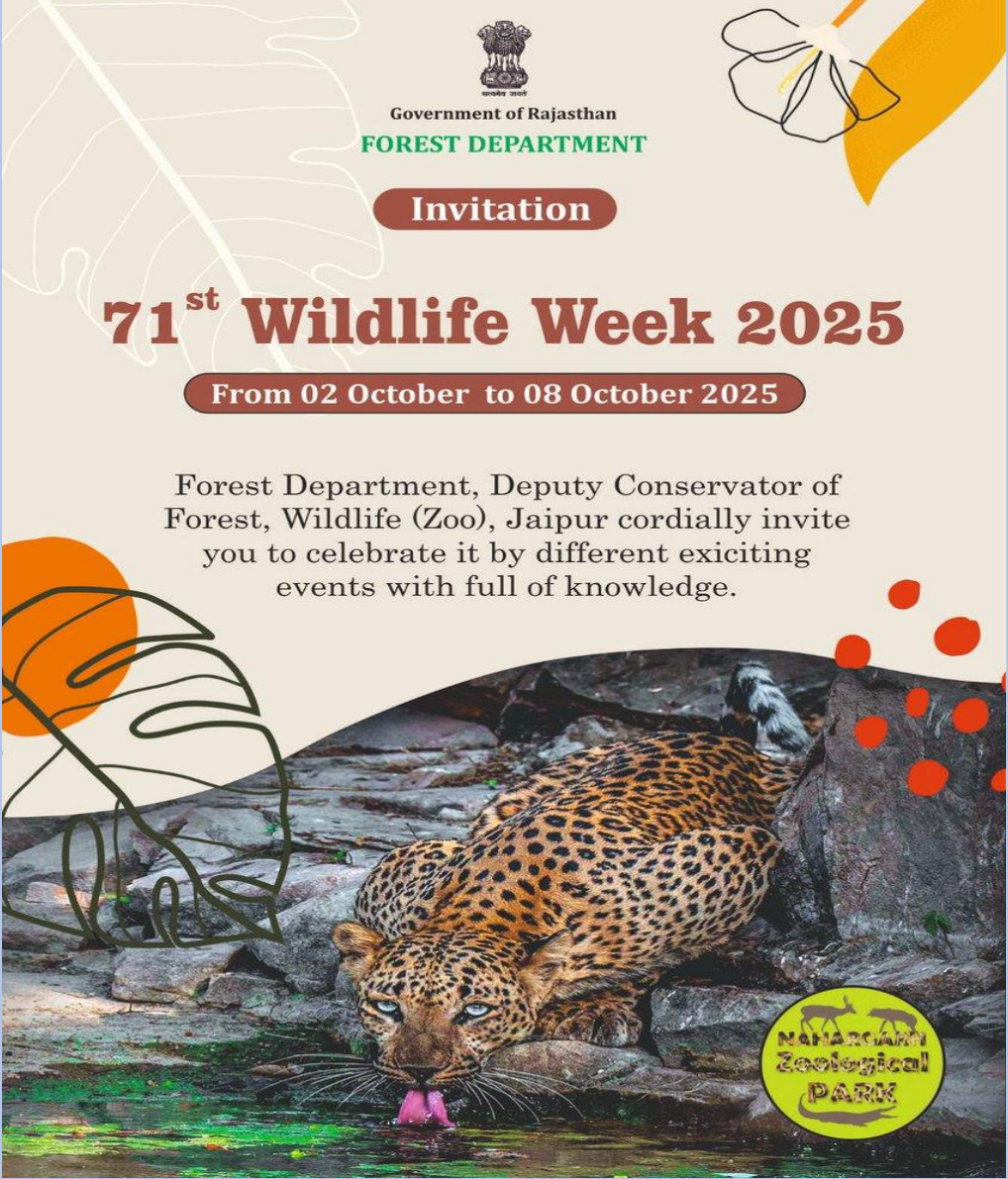
मुख्य बिन्दु:

- राज्य में यह अभियान 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' के तहत संचालित किया जा रहा है।
- कृषि विभाग, राजस्थान के अनुसार पूरे देश में खरीफ-2025 की 8 करोड़ 71 लाख बीमा पॉलिसियां करवाई गई हैं, जिनमें से 2 करोड़ 16 लाख (लगभग 25 प्रतिशत) पॉलिसियां राजस्थान की हैं।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना:

- लॉन्च** : अप्रत्याशित प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले फसल नुकसान के विरुद्ध एक व्यापक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा 18 फ़रवरी, 2016 को 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' लॉन्च की गई।
- मुख्य उद्देश्य** : ओलावृष्टि, सूखा, बाढ़, चक्रवात, भारी और बेमौसम बारिश, बीमारियों और कीटों के हमले आदि जैसी प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली फसल हानि/क्षति से पीड़ित किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करना।
- प्रीमियम**: किसान किफ़ायती प्रीमियम का भुगतान करते हैं - खरीफ फसलों के लिये 2 प्रतिशत, रबी फसलों के लिये 1.5 प्रतिशत और वार्षिक वाणिज्यिक या बागवानी फसलों के लिये 5 प्रतिशत।
- जनवरी, 2025 में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ₹69,515.71 करोड़ के कुल बजट के साथ प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY) और पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना (RWBCIS) को वित्तीय वर्ष 2025-26 तक जारी रखने को स्वीकृति प्रदान की।
- पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना (RWBCIS) एक मौसम सूचकांक-आधारित योजना है, जिसे PMFBY के साथ ही शुरू किया गया था। PMFBY और RWBCIS के बीच मूल अंतर किसानों के लिए स्वीकार्य दावों की गणना की पद्धति में है।

✂ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	<p>71वां वन्यजीव संरक्षण सप्ताह</p>  <p>Government of Rajasthan FOREST DEPARTMENT</p> <p>Invitation</p> <p>71st Wildlife Week 2025</p> <p>From 02 October to 08 October 2025</p> <p>Forest Department, Deputy Conservator of Forest, Wildlife (Zoo), Jaipur cordially invite you to celebrate it by different exciting events with full of knowledge.</p> <p>MAHARAJAH Zoological PARK</p> <ul style="list-style-type: none">■ राजस्थान वन विभाग द्वारा 2 से 8 अक्टूबर, 2025 तक '71वां वन्यजीव संरक्षण सप्ताह' मनाया जा रहा है।■ शुभारंभ : मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) डॉ. टी. मोहनराज द्वारा नाहरगढ़ जैविक उद्यान, जयपुर से।

--8:--

2.

68वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में राजस्थान का प्रतिनिधित्व



- राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी बारबाडोस में आयोजित 68वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे।
- 68वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन का आयोजन 5 से 12 अक्टूबर, 2025 तक कैरिबियन देश बारबाडोस में किया जाएगा।

3.

सबजूनियर राष्ट्रीय बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता : राजस्थान को कांस्य पदक

- **आयोजन :** 24 से 28 सितम्बर, 2025 तक डिंडीगुल, तमिलनाडु में।
- राजस्थान की सबजूनियर बालक वर्ग टीम ने डबल्स इवेंट में महाराष्ट्र को हराकर कांस्य पदक जीता।
- सबजूनियर बालक वर्ग में यथार्थ जरीवाल और सीनियर महिला वर्ग में विभा सैनी को बेस्ट अपकमिंग प्लेयर चुना गया।

4.

69वीं राज्य स्तरीय माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय (U-17) फुटबॉल प्रतियोगिता

- **आयोजन :** कोटा में।
- **उद्घाटन :** शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर द्वारा।

--9:--

5.	<p>69वीं राज्य स्तरीय हॉकी (U-14) प्रतियोगिता</p> <ul style="list-style-type: none">■ आयोजन : सिवाना (बालोतरा) में।■ उद्घाटन : संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और उद्योग, युवा एवं खेल राज्य मंत्री के.के. बिश्रोई।
6.	<p>69वीं राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता</p> <ul style="list-style-type: none">■ आयोजन : तोपदड़ा, अजमेर में।■ उद्घाटन : देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष ओम प्रकाश भड़ाणा।
7.	<p>69वीं सेपक टकरा (U -17 और 19) राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता</p> <ul style="list-style-type: none">■ आयोजन : 1 से 7 अक्टूबर, 2025 तक।■ आयोजन स्थल : खारची (मारवाड़ जंक्शन), पाली।
8.	<p>सेवा पर्व 2025 के तहत वनस्थली विद्यापीठ का चयन</p> <ul style="list-style-type: none">■ भारतीय विश्वविद्यालय संघ (AIU) की ओर से सेवा पर्व 2025 के तहत राजस्थान के वनस्थली विद्यापीठ (निवाई, टोंक) का चयन किया गया।■ स्थापना : इस विद्यापीठ की स्थापना वर्ष 1935 में स्वतंत्रता सेनानी और शिक्षाविद् हीरालाल शास्त्री और रतन शास्त्री ने की थी।■ शिक्षा का दृष्टिकोण : संस्थान की शिक्षा 'पंचमुखी शिक्षा' के सिद्धांत पर आधारित है, जो व्यक्ति के सर्वांगीण विकास पर केंद्रित है।■ संस्कृति मंत्रालय के समर्थन से सेवा पर्व 2025 कार्यक्रम युवाओं को भारत के विकास की आकांक्षाओं को कला के माध्यम से व्यक्त करने के लिए प्रेरित करेगा।
9.	<p>रन फॉर क्वालिटी : BIS</p> <ul style="list-style-type: none">■ भारतीय मानक ब्यूरो (BIS), राजस्थान द्वारा 'वर्ल्ड स्टैंडर्ड्स डे - 2025' के उपलक्ष्य में स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एंड ग्रामोत्थान (SKIT), जयपुर में "रन फॉर क्वालिटी" का आयोजन किया गया।■ प्रतिवर्ष 14 अक्टूबर को विश्व स्तर पर 'वर्ल्ड स्टैंडर्ड्स डे' मनाया जाता है।

Daily Current Affairs

Date : 03 October, 2025



10.

132वाँ राष्ट्रीय दशहरा मेला : एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में शामिल

- हाल ही में, कोटा में आयोजित 132वाँ राष्ट्रीय दशहरा मेला 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स तथा एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में शामिल हुआ।
- इस मेले में 233 फीट के भारत के सबसे बड़े रावण के पुतले का दहन किया गया, जिससे यह रिकॉर्ड बना।

11.

विष्णु शर्मा और यश यादव : सीनियर नेशनल रैंकिंग जूडो टूर्नामेंट में पदक

- हाल ही में, राजस्थान के विष्णु शर्मा और यश यादव ने सीनियर नेशनल रैंकिंग जूडो टूर्नामेंट में क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीता।
- **भार वर्ग : 100 किग्रा.।**
- **आयोजन : 29 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2025 तक नई दिल्ली में।**

UTKARSH

CIVIL
SERVICES

-:11:-



अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य



इजरायल-गाजा संघर्ष



चर्चा में क्यों?

- अमेरिकी राष्ट्रपति ने इजरायल-गाजा संघर्ष को समाप्त करने के लिए 20-सूत्रीय शांति योजना का प्रस्ताव दिया है।
- दो वर्षों से अधिक समय से जारी संघर्ष हमास द्वारा इजराइल के खिलाफ 'ऑपरेशन अल-अक्सा स्टॉर्म' की शुरुआत से हुई।



मुख्य बिन्दु:

ऐतिहासिक संदर्भ

- **बाल्फोर घोषणा-पत्र (1917):** ब्रिटेन द्वारा जारी इस घोषणा-पत्र में फिलिस्तीन में 'यहूदी लोगों के लिए एक नेशनल होम' की स्थापना का समर्थन किया गया।

--:12:--

Daily Current Affairs

Date : 03 October, 2025



- इससे तनाव बढ़ गया, क्योंकि इस क्षेत्र में यहूदी अल्पसंख्यक थे और अरब समुदाय बहुसंख्यक था।

इजरायल का निर्माण:

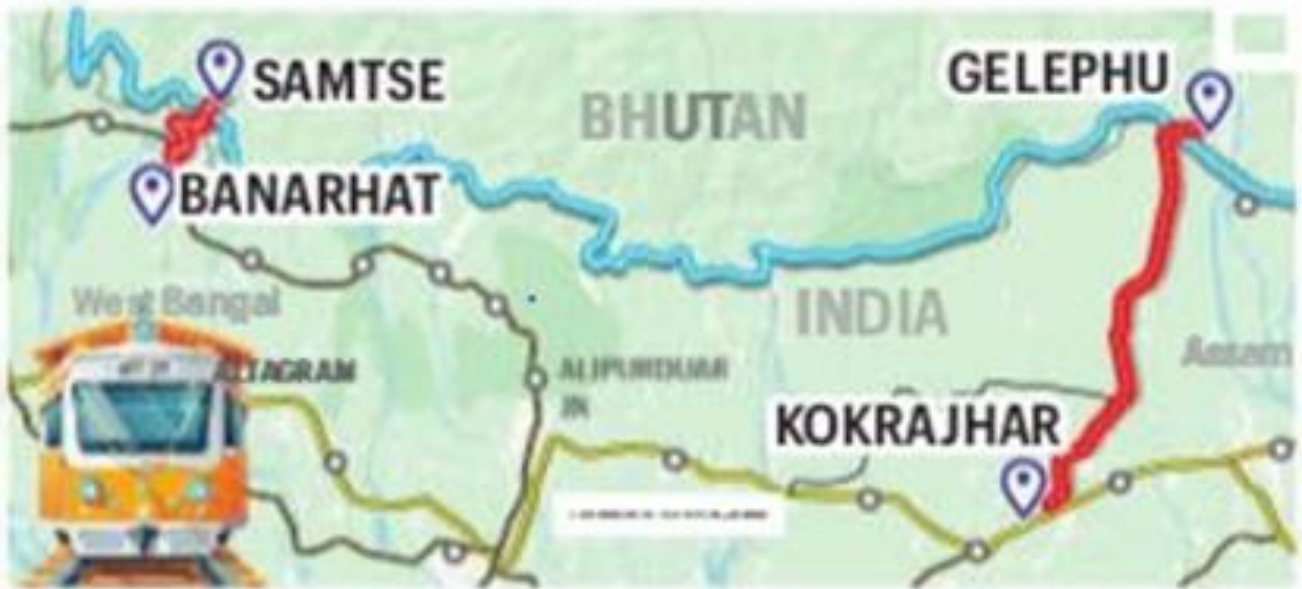
- वर्ष 1947 में, संयुक्त राष्ट्र ने फिलिस्तीन को अरब और यहूदियों के बीच विभाजित करने का प्रस्ताव रखा। इसके बाद, यहूदियों ने 1948 में इजरायल की स्वतंत्रता की घोषणा कर दी।
- अरब समुदाय ने इस योजना को अस्वीकार कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप कई युद्ध हुए।
- वर्ष 1967 का मध्य पूर्व युद्ध: पश्चिमी तट, गाज़ा और पूर्वी यरुशलम के लगभग दस लाख फिलिस्तीनी इजरायल के नियंत्रण में आ गए।
- वर्ष 1973 का योम किप्पुर/रमजान युद्ध के परिणामस्वरूप 1978 में कैंप डेविड समझौता हुआ, जो किसी अरब देश द्वारा इजरायल को एक राष्ट्र के रूप में मान्यता देने का पहला उदाहरण था।
- इजरायल ने वर्ष 1979 में सिनाई प्रायद्वीप को मिस्र को वापस कर दिया। हालांकि पश्चिमी तट पर उसका नियंत्रण है।

भारत-भूटान रेलवे लिंक परियोजना

चर्चा में क्यों?

- भारत ने भूटान से कनेक्टिविटी बढ़ाने लिए दो क्रॉस-बॉर्डर रेलवे परियोजनाओं की घोषणा की है।
- इनमें कोकराझार (असम)-गेलेफू (भूटान) रेलवे लाइन और बनारहाट (पश्चिम बंगाल)-समत्से (भूटान) रेलवे लाइन शामिल हैं।

THE TWO NEW RAIL LINES



मुख्य बिन्दु:

- भूटान की गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी (GMC) से बेहतर कनेक्टिविटी दोनों देशों के लिए संधारणीय आर्थिक विकास के अवसर प्रदान करेगी।
- गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी विशेष प्रशासनिक क्षेत्र (SAR) है। यह अधिक स्वायत्तता के साथ "एक देश, दो प्रणाली" की अवधारणा के तहत संचालित होती है।

Daily Current Affairs

Date : 03 October, 2025



- सप्तसे भूटान का एक प्रमुख औद्योगिक शहर है। रेल कनेक्टिविटी से व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। भूटान से डोलोमाइट, क्वार्टजाइट आदि के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।
- **विकास सहायता** : भूटान की 13वें पंचवर्षीय योजना (2024-2029) के लिए भारत ने 10,000 करोड़ रुपये की विकास सहायता प्रतिबद्ध की है, जो पिछली योजना (12वीं) की सहायता से दोगुनी है।
- **यह सहायता चार श्रेणियों में है:**
 1. परियोजना-आधारित सहायता (PTA)
 2. आर्थिक उत्तेजना कार्यक्रम (ESP)
 3. उच्च प्रभाव वाले सामुदायिक विकास परियोजनाएं (HICDP)
 4. सामान्य बजटीय समर्थन के रूप में अनुदान
- **अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु:**
- भारत, भूटान का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार देश है। भूटान के कुल व्यापार का लगभग 80 प्रतिशत भारत के साथ होता है।
- दोनों देशों ने चुखा, ताला, मांगदेचू, कुरिचू, और हाल ही में पूर्ण हुई पुनर्सांगचू-II सहित पांच प्रमुख जलविद्युत परियोजनाओं पर सहयोग किया है।

--:15:--

व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौता (TEPA)

चर्चा में क्यों?

- भारत-यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (EFTA) का 'व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौता (TEPA) 1 अक्टूबर, 2025 से प्रभावी हो गया।

भारत के प्रमुख व्यापार समझौते

पड़ोसी देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौता (FTA)

- ⌚ भारत-श्रीलंका FTA
- ⌚ भारत-नेपाल व्यापार संधि
- ⌚ व्यापार, वाणिज्य और पारगमन पर भारत-भूटान समझौता

भारत के क्षेत्रीय मुक्त व्यापार समझौते (FTA)

- ⌚ भारत आसियान वस्तु व्यापार समझौता (11): 10 आसियान देश + भारत
- ⌚ दक्षिण एशिया मुक्त व्यापार समझौता (7): भारत, पाकिस्तान, नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश, भूटान और मालदीव
- ⌚ व्यापार प्राथमिकताओं की वैश्विक प्रणाली (41 देश + भारत)

भारत का CECA और CEPA

CECA/CEPA मुक्त व्यापार समझौते से अधिक व्यापक है, जो नियामक, व्यापार एवं आर्थिक पहलुओं को व्यापक रूप से संबोधित करता है, CEPA में सेवाओं, निवेश आदि समेत व्यापक क्षेत्र है, जबकि CECA मुख्य रूप से टैरिफ और TQR दरों के समझौते पर केंद्रित है।

- ⌚ संयुक्त अरब अमीरात, दक्षिण कोरिया, जापान के साथ CEPA
- ⌚ सिंगापुर, मलेशिया के साथ CECA

मुक्त व्यापार समझौता देशों के बीच एक व्यापक समझौता है, जो विशिष्ट उत्पादों और सेवाओं को छोड़कर एक नकारात्मक सूची (negative list) के साथ अधिमान्य व्यापार शर्तों और टैरिफ रियायतों की पेशकश करता है।

अन्य:

- भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौता (ECTA)
- भारत-थाईलैंड अर्ली हार्वेस्ट स्कीम (EHS)
- भारत-मॉरिशस व्यापक आर्थिक सहयोग और साझेदारी समझौता (CECPA)

एक अर्ली हार्वेस्ट स्कीम (EHS) FTA/CECA/CEPA से पहले होता है, जहाँ समझौता करने वाले देश टैरिफ उदारीकरण के लिये उत्पादों का चयन करते हैं, व्यापक व्यापार समझौतों का मार्ग प्रशस्त करते हैं और आत्मविश्वास को बढ़ावा देते हैं।

अधिमान्य व्यापार समझौते (PTA)

PTA में भागीदार सहमत टैरिफ सीमाओं पर शुल्क कम करके, कम या शून्य टैरिफ के लिये पात्र उत्पादों की एक सकारात्मक सूची बनाए रखते हुए विशिष्ट उत्पादों तक अधिमान्य पहुंच प्रदान करते हैं।

एशिया प्रशांत व्यापार समझौता (APTA):

बांग्लादेश, चीन, भारत, दक्षिण कोरिया, लाओ PDR, श्रीलंका और मंगोलिया

SAARC अधिमान्य व्यापार समझौता (SAPTA): SAFTA के समान

भारत-MERCOSUR PTA: ब्राजील, अर्जेंटीना, उरुग्वे, पैराग्वे और भारत

मुख्य बिन्दु:

- इसके तहत अगले 15 वर्षों के दौरान भारत में 100 बिलियन डॉलर के निवेश और 1 मिलियन प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित करने की प्रतिबद्धता शामिल है।

Daily Current Affairs

Date : 03 October, 2025



- **EFTA के सदस्य देश:** इनमें आइसलैंड, लिक्टेन्स्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड शामिल हैं। इनमें स्विट्जरलैंड भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।



- यह भारत द्वारा हस्ताक्षरित पहला मुक्त व्यापार समझौता (FTA) है, जिसमें विशेष रूप से निवेश और रोजगार सृजन से जुड़ी बाध्यकारी प्रतिबद्धताएं शामिल की गई हैं।

TEPA के मुख्य बिंदु:

- **बाज़ार तक पहुँच (वस्तुएँ):** इस समझौते के तहत EFTA अपने व्यापक बाजार में बाधा रहित प्रवेश प्रदान करेगा। इनमें भारत के 100% गैर-कृषि उत्पादों के लिए बाजार खोलना भी शामिल है।
- **सेवाएँ एवं मोबिलिटी:** यह समझौता शिक्षा, IT और व्यावसायिक सेवाओं में निर्यात को प्रोत्साहित करेगा।

-:17:-

Daily Current Affairs

Date : 03 October, 2025



- यह समझौता WTO के मोड 1, मोड 3 और मोड 4 के माध्यम से बेहतर सेवा-व्यापार पहुंच प्रदान करता है।
 - मोड 1: सेवाओं की डिजिटल डिलीवरी,
 - मोड 3: वाणिज्यिक उपस्थिति (किसी एक देश की कंपनी द्वारा अन्य देश में ब्रांच स्थापित करके सेवाओं की आपूर्ति करना)
 - मोड 4: सेवाओं की डिलीवरी के लिए अन्य देशों के कर्मियों का प्रवेश और अस्थायी प्रवास।
- **रसायन और संबद्ध उत्पाद:** EFTA ने भारत के 95 प्रतिशत से अधिक निर्यात पर शून्य या कम टैरिफ प्रस्तावित किया है। भारत ने लगभग 80 प्रतिशत उत्पादों (टैरिफ लाइनों) पर बाजार पहुंच प्रदान की है, जो EFTA के 95 प्रतिशत निर्यात को कवर करती है।
- **बौद्धिक संपदा अधिकार:** यह समझौता TRIPS (Trade-Related Aspects of Intellectual Property Rights) के स्तर पर प्रतिबद्धता सुनिश्चित करता है। भारत की जेनरिक दवाओं से जुड़े हित और पेटेंट की "एवरग्रीनिंग" से संबंधित समस्याओं का समाधान किया गया है।
- इससे 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसी पहलों को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

--:18:--

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

संयुक्त राष्ट्र सतत् विकास लक्ष्य : 10 वर्ष पूर्ण

चर्चा में क्यों?

- संयुक्त राष्ट्र सतत् विकास लक्ष्यों (SDGs) को अपनाने के 10 वर्ष पूरे हुए। इन लक्ष्यों को वैश्विक लक्ष्य (Global Goals) भी कहा जाता है।





मुख्य बिन्दु:

सतत् विकास लक्ष्य:

- सतत् विकास की अवधारणा को वर्ष 1987 की ब्रंटलैंड कमीशन रिपोर्ट में परिभाषित किया गया था। इसके मुताबिक सतत् विकास ऐसा विकास है जो वर्तमान की आवश्यकताओं को इस प्रकार पूरा करे कि भविष्य की पीढ़ियाँ भी अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम रहें।
- ये 17 गोल्स और 169 टारगेट्स का एक समूह हैं जो सामाजिक, आर्थिक विकास और पर्यावरणीय संधारणीयता के बीच संतुलन की आवश्यकता का समर्थन करते हैं।

भारत ने SDGs को अपनी विकास योजना में कैसे एकीकृत किया?

- **SDG इंडिया इंडेक्स:** यह इंडेक्स राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को रैंक करता है, प्रतिस्पर्धा के माध्यम से सुधार को प्रोत्साहित करता है।
- **पंचायत उन्नति सूचकांक:** इसका उपयोग 250,000 से अधिक ग्राम परिषदों द्वारा किया जाता है।
- कई राज्यों ने बजट को SDG उप-लक्ष्यों के साथ जोड़ा है।
- आकांक्षी जिला कार्यक्रम (ADP) पिछड़े क्षेत्रों के लिए और संपूर्ण समाज दृष्टिकोण को अपनाना।

भारत की प्रगति

- **SDG 1 (निर्धनता उन्मूलन):** 13.5 करोड़ से अधिक लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकले हैं।
- **SDG 2 (जीरो हंगर):** कुपोषण की दर 13.7 प्रतिशत है।
- **SDG 3 (बेहतर स्वास्थ्य और कल्याण):** मातृ मृत्यु अनुपात (प्रति 1 लाख जीवित जन्म) 2014-16 में 130 से घटकर 80.5 हो गया है।
- **SDG 4 (गुणवत्तापूर्ण शिक्षा):** प्राथमिक स्तर पर शुद्ध नामांकन दर अब 99.9 प्रतिशत है।

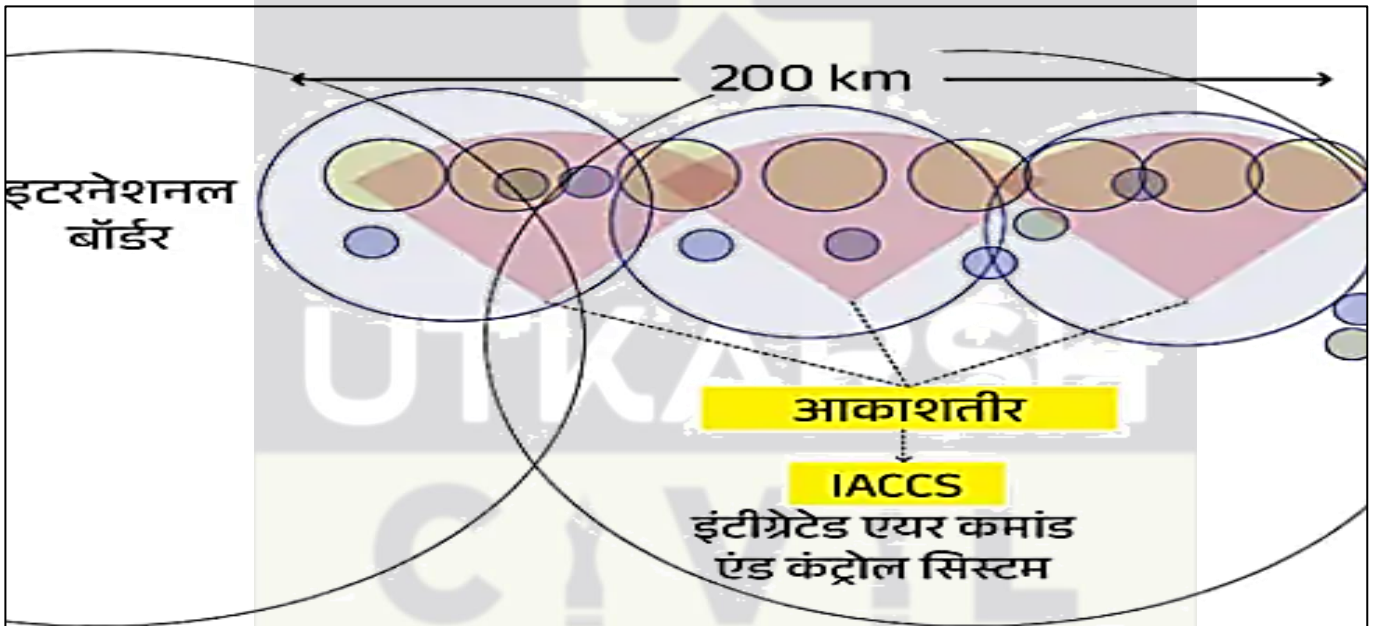
--:20:--

⌚ विज्ञान प्रौद्योगिकी 🌡️

अनंत शस्त्र एयर डिफेंस सिस्टम

📢 चर्चा में क्यों?

- भारतीय थल सेना ने 'अनंत शस्त्र' एयर डिफेंस सिस्टम की आपूर्ति के लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL) को कॉन्ट्रैक्ट दिया है।



- लॉन्ग रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल
- मीडियम रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल
- शॉर्ट रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल
- काउंटर ड्रोन & मैनपैड्स
- ◆ सर्विलांस रडार

पहली लेयर- काउंटर ड्रोन और MANPADS

दूसरी लेयर- पॉइंट एयर डिफेंस, शॉर्ट रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल

तीसरी लेयर- मीडियम रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल

चौथी लेयर- लॉन्ग रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल

मुख्य बिन्दु:

- अनंत शस्त्र स्वदेशी क्विक रिएक्शन सरफेस-टू-एयर मिसाइल (QRSAM) प्रणाली है।
- **विकासकर्ता:** यह प्रणाली DRDO (रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन) द्वारा भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL) और भारत डायनामिक्स लिमिटेड (BDL) के सहयोग से विकसित की गई है।
- इसे जल्दी से एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित किया जा सकता है। इसकी रेंज लगभग 30 किलोमीटर है।

विशेषताएँ :

सरफेस टू एयर मिसाइल वेपन सिस्टम



हाईली मोबाइल
(अत्यधिक
गतिशील) एयर
डिफेंस सिस्टम।



30 किमी की रेंज
से टारगेट ट्रैक
करके हिट करने
की क्षमता



पाकिस्तान
और चीन बॉर्डर
पर तैनाती
होगी



शॉर्ट टू मीडियम रेंज
में मीडियम रेंज सरफेस
टू एयर मिसाइल
(MRSAM) और आकाश
मिसाइल सिस्टम का
साथ देगा

शॉर्ट हॉल्ट पर भी
फायरिंग करने
की क्षमता



दिन और रात में
भी टारगेट हिट
करने में सक्षम

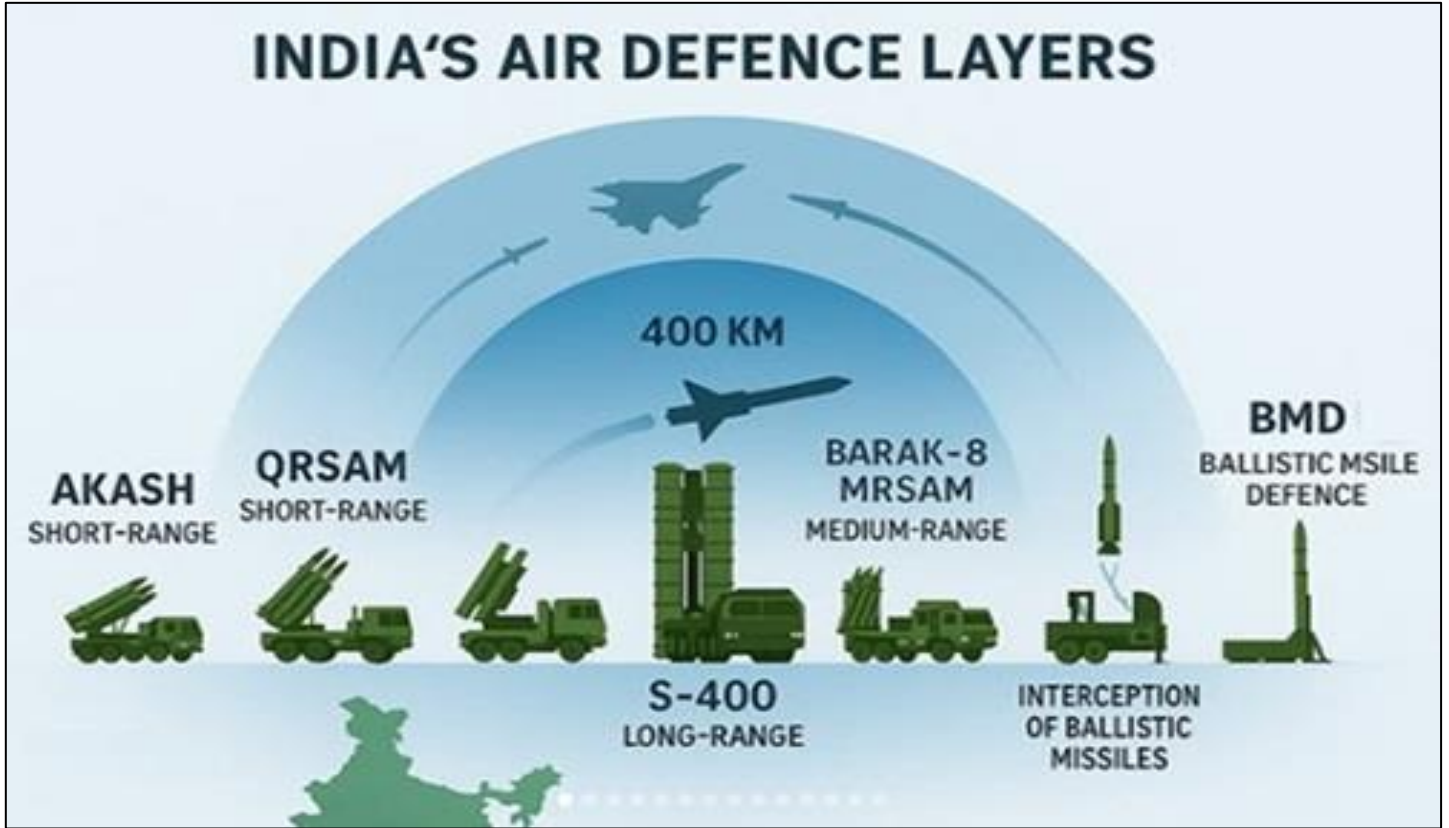
Daily Current Affairs

Date : 03 October, 2025



अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

भारत के अन्य महत्त्वपूर्ण एयर डिफेंस सिस्टम :

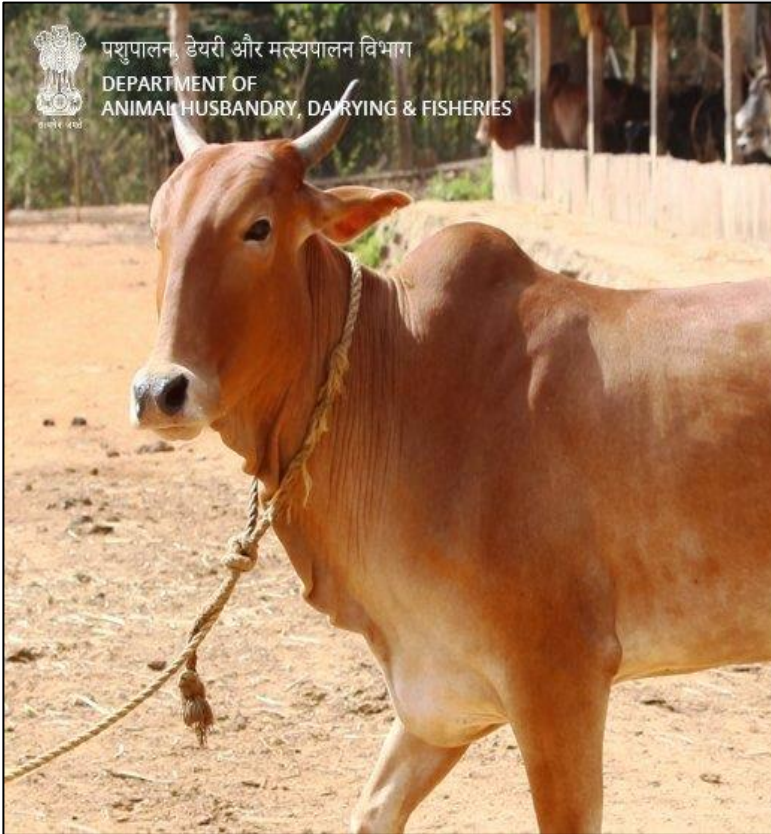


--:23:--

इंफेक्शियस बोवाइन राइनोट्रेकाइटिस (IBR)

चर्चा में क्यों?

- भारत में पहली बार ग्लाइकोप्रोटीन E (gE) डिलीटेड DIVA मार्कर वैक्सीन को IBR बीमारी के लिए लॉन्च किया गया है।



INFECTIOUS BOVINE RHINOTRACHEITIS (IBR)

- IBR is viral disease of cattle & buffaloes primarily seen in respiratory and genital form.
- In the respiratory form fever with profuse nasal discharge mouth breathing, salivation and a deep cough and conjunctivitis with profuse lacrimation are the prominent symptoms
- The genital form of the disease causes swollen vulva with small pastules in females and balanoposthitis in males. Abortion during 4-7 months of pregnancy is a common.
- The disease can be prevented by vaccination.

मुख्य बिन्दु:

- इस वैक्सीन का नाम 'रक्षा-IBR' है।
- रक्षा-IBR जानवरों में IBR बीमारी से जुड़ी बंध्यापन, गर्भपात और दूध उत्पादन में कमी जैसी समस्याओं को दूर करने में मदद करेगी।

IBR:

- इस बीमारी में जानवरों के ऊपरी श्वसन तंत्र में सूजन हो जाती है।
- **कारण:** यह बीमारी बोवाइन हर्पीस वायरस-1 (BoHV-1) के संक्रमण से फैलती है।

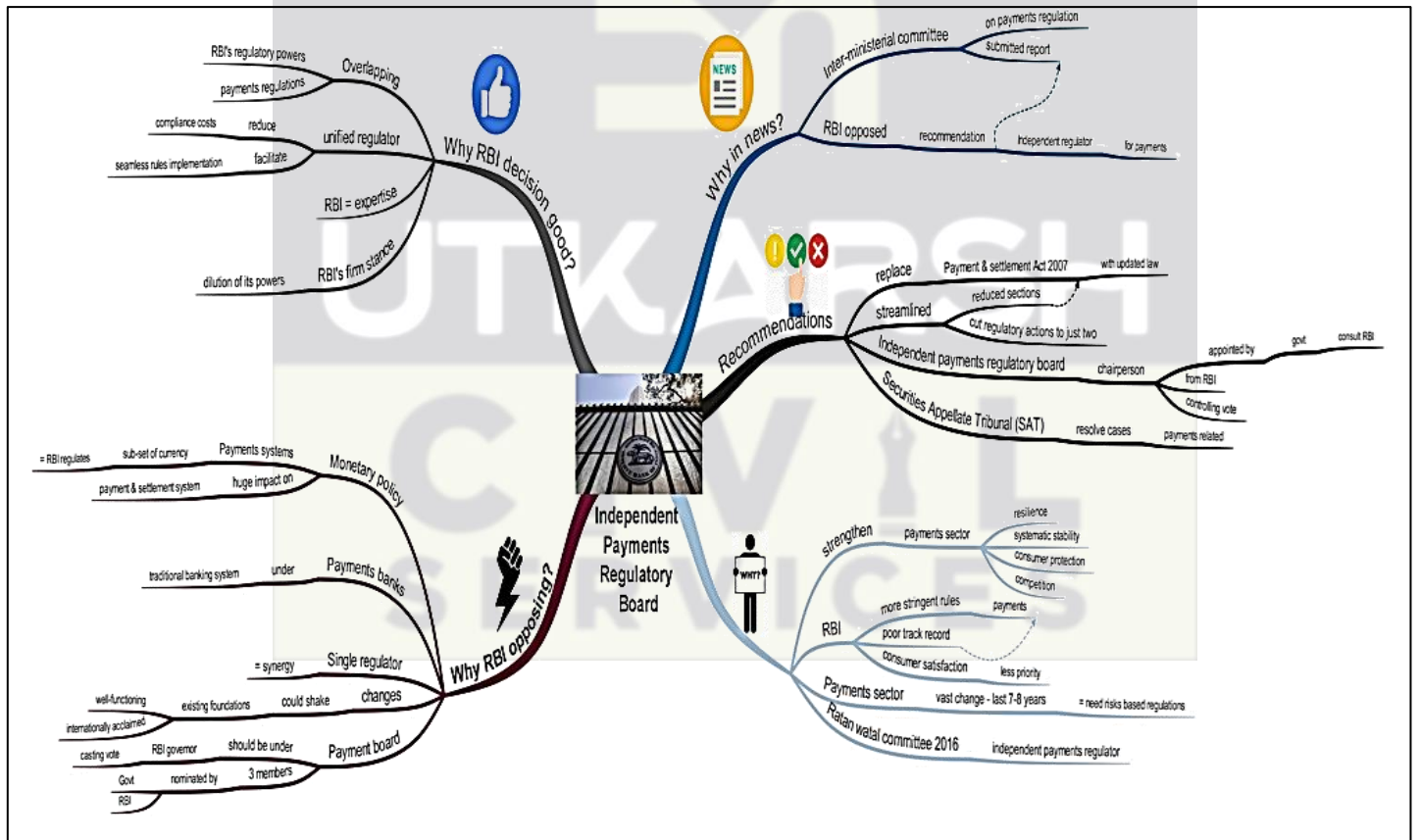
--:24:--

आर्थिक परिदृश्य

भुगतान विनियामक बोर्ड

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने छह सदस्यीय 'भुगतान विनियामक बोर्ड' का गठन किया। यह भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007 के तहत भुगतान प्रणालियों के विनियमन एवं पर्यवेक्षण का कार्य करेगा।



मुख्य बिन्दु:

- इसका गठन भुगतान एवं निपटान प्रणाली विनियमन एवं पर्यवेक्षण बोर्ड (BPSS) के स्थान पर किया गया है।
- संरचना और गठन:** भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम की धारा 3 के अनुसार:

- पदेन अध्यक्ष के रूप में भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के गवर्नर।
- पदेन सदस्य के रूप में RBI के उप गवर्नर, जो भुगतान और निपटान प्रणाली के प्रभारी हों।
- RBI का एक अधिकारी।
- केंद्र सरकार द्वारा नामित तीन व्यक्ति, जो भुगतान प्रणाली, IT, साइबर सुरक्षा, कानून के विशेषज्ञ हों।
- **कार्यकाल:** 4 वर्ष; दोबारा नियुक्ति के पात्र नहीं होंगे, 6 सप्ताह के नोटिस पर त्यागपत्र दे सकते हैं।
- **सदस्य के रूप में पात्र नहीं:**
 - 70 वर्ष से अधिक उम्र।
 - दिवालिया घोषित हो।
 - जो किसी अपराध में 180 दिन या उससे अधिक के कारावास के लिए दोषी हो।
 - संसद या किसी राज्य विधायिका का सदस्य हो, आदि।
- **भुगतान विनियामक बोर्ड की बैठक:** वर्ष में कम से कम दो बार बैठक अनिवार्य है। बैठक के लिए अध्यक्ष (या उनकी अनुपस्थिति में उप-गवर्नर) और एक नामित सदस्य सहित 3 सदस्य का कोरम अनिवार्य है।
- बोर्ड में निर्णय उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के बहुमत से लिया जायेगा।
- किसी विषय पर बराबर की संख्या में मत मिलने पर अध्यक्ष (उनकी अनुपस्थिति में उप-गवर्नर) के पास निर्णायक मत होगा।
- **भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007:**
 - भारत में भुगतान प्रणालियों को विनियमित और पर्यवेक्षण करना। इसमें मैनुअल क्लियरिंग से लेकर RTGS और NEFT जैसे इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसफर शामिल हैं।
 - भुगतान और निपटान अवसंरचना की देखरेख के लिए RBI को केंद्रीय प्राधिकरण के रूप में नामित किया गया है।
 - यह कानून अनुचित शुल्कों के वसूलने पर प्रतिबंध लगाकर और गलतियों के लिए मध्यवर्तियों को जवाबदेह ठहराकर उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करता है।

वेटेड एवरेज कॉल रेट

चर्चा में क्यों?

- RBI मौद्रिक नीति के लिए परिचालन लक्ष्य के रूप में ओवरनाइट वेटेड एवरेज कॉल रेट का उपयोग जारी रखेगा।

मुख्य बिन्दु:

ओवरनाइट वेटेड एवरेज कॉल रेट (WACR):

- WACR वह औसत ब्याज दर है जिस पर बैंक एक-दूसरे से ओवरनाइट, अर्थात एक दिन के लिए, पैसा उधार देते हैं या उधार लेते हैं।

महत्व:

- यह बैंकिंग सिस्टम में अल्पावधि के लिए उधार की लागत को दर्शाता है। इससे RBI को यह निगरानी करने में मदद मिलती है कि बैंकों के लिए फंड प्राप्त करना कितना आसान या कठिन है।
- यदि WACR बढ़ता है, तो इसका मतलब है कि उधार लेना महंगा हो रहा है, यदि WACR घटता है, तो इसका मतलब है कि उधार लेना आसान हो गया है।

Liquidity Operations Are Conducted By RBI To Keep The WACR Aligned To The Repo Rate.

If The WACR Drifts Towards The SDF Rate (Lower Bound Of Monetary Policy Corridor), It Brings Down Costs Of Funds Of Banks.

If It Drifts Towards MSF Rate (Upper Of MP Corridor), Cost Of The Funds Of Banks Goes Up.

निर्यातित उत्पादों पर शुल्क और करों की वापसी योजना: RoDTEP



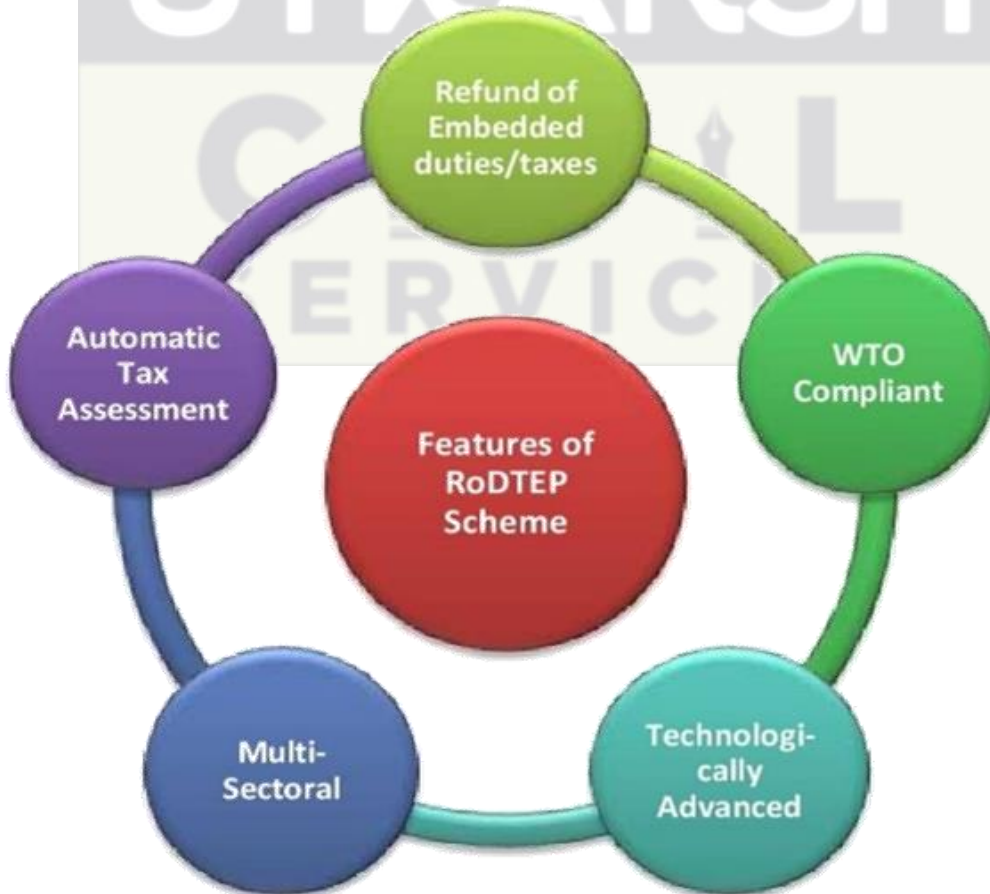
चर्चा में क्यों?

- RoDTEP योजना की अवधि मार्च 2026 तक बढ़ा दी गई है।



मुख्य बिन्दु:

- शुरुआत:** जनवरी 2021 में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा।
- उद्देश्य:** केंद्र, राज्य और स्थानीय स्तर पर लगाए गए ऐसे करों, शुल्कों और लेवी को वापस करना, जो किसी अन्य योजनाओं के तहत वापस नहीं किए जाते।
- इससे वस्तुओं पर छिपी हुई लागत कम कर दी जाती है जिससे भारतीय निर्यात वैश्विक बाजार में सस्ते होकर अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाते हैं।
- यह योजना निर्यात किए जाने वाले उत्पादों के विनिर्माण और वितरण के दौरान लगाए गए करों को शामिल करती हैं।

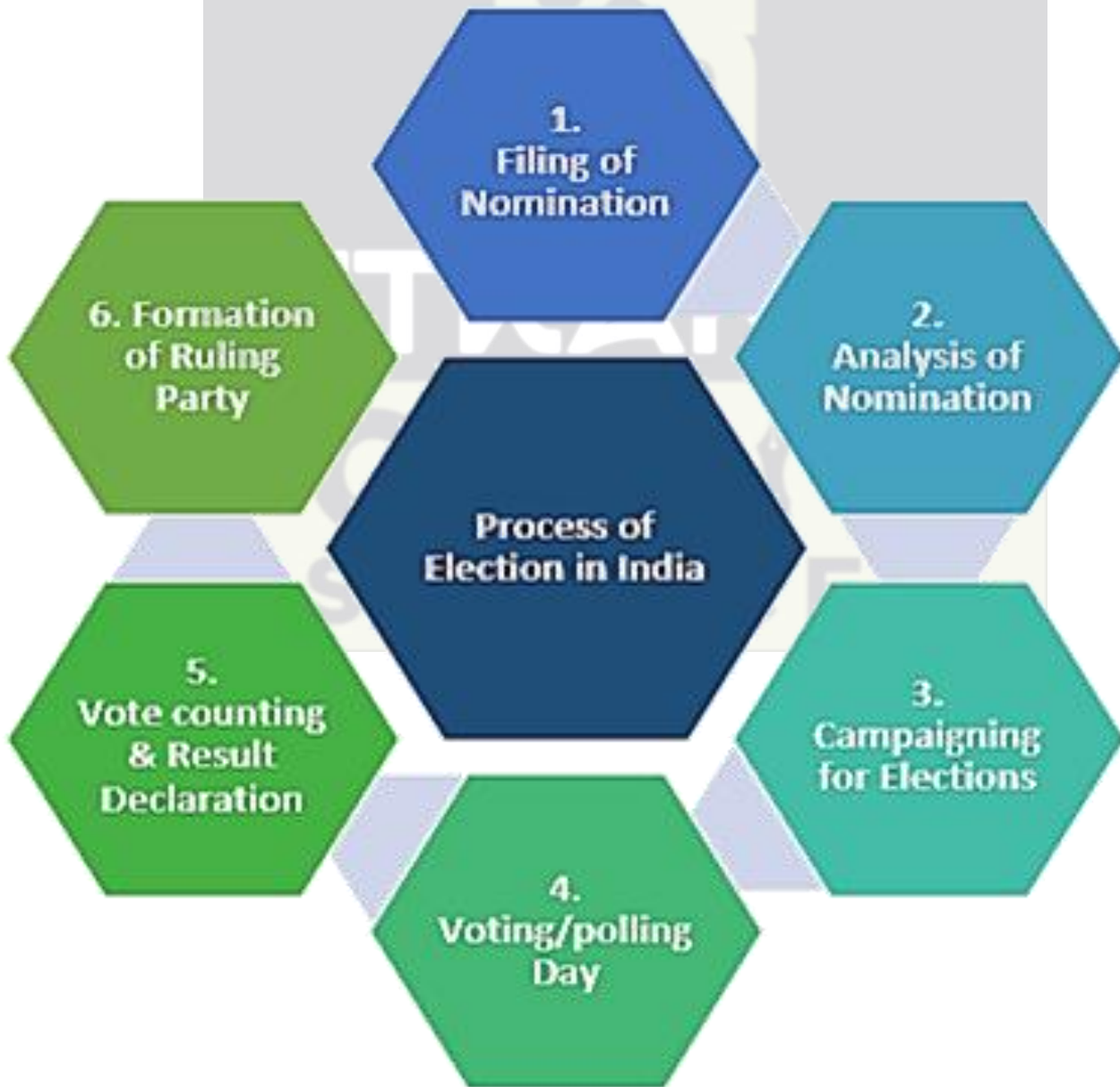


राजव्यवस्था

पोस्टल बैलेट

चर्चा में क्यों?

- भारत निर्वाचन आयोग (ECI) की अधिसूचना के अनुसार, EVM मतों की गणना पोस्टल बैलेट (डाक मतपत्रों) की पूरी गणना के बाद ही शुरू किया जाएगा।



Daily Current Affairs

Date : 03 October, 2025



मुख्य बिन्दु:

- पोस्टल बैलेट एक ऐसी प्रणाली है, जिसके तहत मतदाता अपने मतपत्र को इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्राप्त कर सकते हैं और इसे डाक द्वारा भेज सकते हैं। इससे उन्हें वोट डालने के लिए मतदान केंद्र पर स्वयं जाने की आवश्यकता नहीं होती है।
 - **कानूनी व्यवस्था:** यह प्रणाली चुनाव संचालन नियम, 1961 और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 द्वारा शासित होती है।
- पोस्टल बैलेट का उपयोग की पात्रता:**
- **सेवा मतदाता (सर्विस वोटर्स):** इनमें भारतीय सशस्त्र बल और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के सदस्य, विदेश में तैनात सरकारी कर्मचारी आदि शामिल होते हैं।
 - **विशेष मतदाता:** इनमें राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, राज्यपाल, केंद्रीय मंत्रिमंडल के मंत्री, अन्य उच्च पदस्थ व्यक्ति और उनके पति/पत्नी शामिल होते हैं।

--:30:--

विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR)

चर्चा में क्यों?

- बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।



परिचय

- स्वायत्त संवैधानिक निकाय
- लोकसभा, राज्यसभा, राज्य विधानसभाओं, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनाव का संचालन
- स्थापना- 25 जनवरी, 1950 (राष्ट्रीय मतदाता दिवस)

संवैधानिक प्रावधान
भाग XV-अनुच्छेद 324 से 329

संरचना

- 1 मुख्य चुनाव आयुक्त और 2 चुनाव आयुक्त (राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त)
- **कार्यकाल** - 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो
- **सेवानिवृत्त चुनाव आयुक्त**- सरकार द्वारा पुनर्नियुक्ति के लिये पात्र
- **मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाना**- सदन की कुल संख्या के 50% से अधिक के समर्थन से उपस्थित और मतदान करने वाले 2/3 सदस्यों के बहुमत के साथ सिद्ध कदाचार या अक्षमता के आधार पर प्रस्ताव

प्रमुख भूमिकाएँ और जिम्मेदारियाँ

- चुनावी निर्वाचन क्षेत्रों का निर्धारण
- मतदाता सूची तैयार करना और उसका पुनरीक्षण करना
- चुनाव कार्यक्रम और तारीखों को अधिसूचित करना
- राजनीतिक दलों को पंजीकृत करना और उन्हें राष्ट्रीय या राज्य दलों का दर्जा देना
- राजनीतिक दलों के लिये "आदर्श आचार संहिता" जारी करना



मुख्य बिन्दु:

विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR):

- इसमें सभी पात्र नागरिकों का मतदाता सूची में नामांकन सुनिश्चित करने के लिए घर-घर जाकर सत्यापन किया जाता है।
- **आवश्यकता:** अनुच्छेद 324 के तहत, भारत निर्वाचन आयोग को मतदाता सूची में सभी पात्र मतदाताओं को पंजीकृत करने का अधिकार है।
- **कानूनी प्रावधान:** संविधान का अनुच्छेद 326, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950.
- **महत्त्व:** यह स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए मतदाता सूची की शुचिता सुनिश्चित करता है।

महत्त्वपूर्ण पोर्टल एवं एप

सहयोग पोर्टल



चर्चा में क्यों?

- X प्लेटफॉर्म सहयोग पोर्टल को बरकरार रखने के कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील करेगा।



मुख्य बिन्दु:

सहयोग पोर्टल

- **उद्देश्य:** यह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर गैरकानूनी कंटेंट को हटाने के लिए ऑनलाइन मध्यवर्तियों (प्लेटफॉर्म/ ISP) को कानूनी नोटिस भेजने की प्रक्रिया को स्वचालित करता है।
- **नोडल एजेंसी:** केंद्रीय गृह मंत्रालय (MHA)।
- **कानूनी दर्जा:** यह पोर्टल साइबर-आधारित गैरकानूनी गतिविधियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 79(3)(b) के तहत संचालित होता है।
- **महत्त्व:** यह अलग-अलग अधिकृत सरकारी एजेंसियों के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्मों के साथ रियल टाइम में सहयोग हेतु एक केंद्रीकृत प्लेटफॉर्म है। इससे डिजिटल सुरक्षा और गवर्नेंस में सुधार होता है।

पुरस्कार

द रिसरेक्शन क्वेस्ट

चर्चा में क्यों?

- मुंबई स्थित डॉक्यूमेंट्री-सीरीज़, 'द रिसरेक्शन क्वेस्ट' ने 16वें कान्स कॉर्पोरेट मीडिया एंड टीवी अवार्ड्स में प्रतिष्ठित गोल्ड डॉल्फिन पुरस्कार जीता। नॉर्दन व्हाइट राइनो पर चार-भागों वाली इस सीरीज़ में से एक नॉर्दन व्हाइट राइनो IVF भी थी।



मुख्य बिन्दु:

नॉर्दन व्हाइट राइनो:

- यह सफेद गैंडे की एक उप-प्रजाति है, जो कभी पूरे मध्य अफ्रीका में व्यापक रूप से देखी जाती थी।
- IUCN स्थिति:** क्रिटिकली एंडेंजर्ड।
- अभी विश्व में नॉर्दन व्हाइट राइनो की केवल दो मादाएं (नजीन और फातू) बची हैं। इन्हें फ़िलहाल केन्या की ओल पेजेटा कंजर्वेसी में रखा गया है।
- संरक्षण प्रयास:** नॉर्दन व्हाइट राइनो को विलुप्त होने से बचाने के लिए IVF के द्वारा संरक्षित (फ्रीज किए हुए) शुक्राणु और सदर्न व्हाइट राइनो मादाओं को सरोगेट के रूप में प्रयोग।